

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 03 July 2018 19:56

: 000000000000 00 0000000000000000 00 00 00 0000, 0000-0-0000 00 00000000 0000 :
00000000 0000000000 00000000 0000 00 00 000000000000 00000 000000 00 00000
000000000 :00000000000000 00 00000000 00000 00000 00 00000 000000 00 0000000000
00 00000000 0000 :00000000 00000 00 00000 0000000000000000 00000 :

000000 000000

00000 : घर क पुरखा, यानी गृह-स् वामी हमेशा बेहद शांत, सौम्य, ईमानदार, पक्षपातवर्हीन, और भेदभाव से कौसों दूर रहने वाला माना जाता है।
लेकिन यह शर्त अब उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत पर लागू नहीं होती है। पहाड़ के कटुर्गम क्षेत्र में सरकारी विद्यालय की बुजुर्ग
शिक्षिका उत्तरा पंत के साथ जो वृ यवहार उत्तराखंड की सरकार ने की है, इससे कनया विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री रावत से कथित
अभद्रता के मामले में सरकार ने उस घटना को छिपा लिया है, मगर उस पर केवल इस आधार पर नलिम्बति कर दिया है, कि वह कम से गैरहाजिरि चल रही
थी।

इस मामले में सरकार की तरफ से प्रदेश की शिक्षा सचिव डॉ भूपेन्द्र कौर ने स्पष्ट टीकरण दिया है। यह पूरा बयान सारे से बेवकूफी भरा है। कौर बोलीं है
कि उत्तरा पंत कम ही नहीं करती थी, हमेशा गैरहाजिरि रहती थी। सन-08 और सन-11 में भी कम से लापता होने पर उसे सस्पेंड किया जा चुका है।
लेकिन इसके बावजूद सन-15 से सन-17 के बीच वह कई महीनों तक ड्यूटी पर से लापता रही। वगित 9 अगस्त-17 को वह फिर लापता रही। लेकिन
सन-15 के बाद से उत्तरा पंत पर कृ या कर्रवाई की गयी, उसका कोई भी जवाब डॉ कौर के पास नहीं है। कौर बोली है कि उत्तरा पंत के गैरहाजिरि होने
से शिक्षा तबाह होती रही, लेकिन उस पर कोई भी कर्रवाई नहीं की थी त्रिवेन्द्र रावत सरकार ने।

उधर उत्तरा पंत लगातार त्रिवेन्द्र सरकार पर हमला कर रही है। उनका आरोप है कि यह अपराधियों की सरकार है, और उसके चलते पूरी वृ यवस् था ही
तबाह होती जा रही है। स्पष्ट वार्थलपि सा असमान पर है। मुख्यमंत्री अपनी पत्नी की तो पॉस्टिंग करा ले गये लेकिन मेरे जैसे तमाम लोगों का कम
जानबूझ कर बगिड़ा जा रहा है।